इंडोनेशिया ओपन में सिंधु की शानदार जीत

- सिंधु ने बुसानन को हराकर दूसरे दौर में बनाई जगह
- लक्ष्य इंडोनेशिया के अल्वी से सीधे गेम में हारे

➡ लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत का अभियान हुआ समाप्त

जकार्ता, 2 जून. इंडोनेशिया ओपन 2026 में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए मिश्रित परिणाम देखने को मिले. जहां दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया, वहीं पुरुष एकल में भारत को बड़ा झटका लगा.

स्टार शटलर लक्ष्य सेन और पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत अपने-अपने शुरुआती मुकाबले हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए.

विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज लक्ष्य सेन को मेजबान इंडोनेशिया के युवा खिलाड़ी अल्वी फरहान के खिलाफ 48 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 21-16 से हार का सामना करना पड़ा. पहले गेम में लक्ष्य ने 7-3 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 19-18 की बढ़त बनाई थी, लेकिन निर्णायक क्षणों में फरहान ने लगातार तीन अंक जीतकर गेम अपने नाम कर लिया. दूसरे गेम में भी मुकाबला 17-16 तक बराबरी का रहा, लेकिन इसके बाद इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने लगातार चार अंक लेकर मैच समाप्त कर दिया. यह फरहान के खिलाफ लक्ष्य की लगातार दूसरी हार रही.

दूसरी ओर, पीवी सिंधु ने अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करते हुए थाईलैंड की विश्व नंबर 19 बुसानन ओंगबामरुंगफान को 25-23, 21-16 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई. पहले गेम में सिंधु को कड़ी चुनौती मिली, लेकिन उन्होंने दबाव में शानदार खेल दिखाया. दूसरे गेम में भारतीय स्टार ने बेहतर नियंत्रण रखते हुए 51 मिनट में मुकाबला जीत लिया. इस जीत के साथ सिंधु ने बुसानन के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 21-1 कर लिया.

सिंधु हाल ही में सिंगापुर ओपन में शानदार प्रदर्शन के बाद पहली बार अक्टूबर 2023 के बाद विश्व की शीर्ष-10 रैंकिंग में लौटी हैं. इंडोनेशिया ओपन में भी उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है. यदि अगले दौर में दक्षिण कोरिया की ओलंपिक चैंपियन एन से-यंग भी जीत दर्ज करती हैं तो दोनों खिलाड़ियों के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला देखने को मिल सकता है.

पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत का संघर्ष भी जारी रहा. उन्हें जापान के युशी तनाका के खिलाफ 21-19, 21-15 से हार का सामना करना पड़ा. इस हार के साथ श्रीकांत इस सीजन में एक बार फिर किसी बड़े बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टूर्नामेंट के शुरुआती चरण से आगे नहीं बढ़ सके.

> युगल वर्ग में भारत को कुछ सफलता मिली. पुरुष युगल में हरिहरन अमसकारुनन और एमआर अर्जुन की जोड़ी ने मलेशिया की मजबूत जोड़ी को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. हालांकि महिला युगल में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा. वहीं मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी मौजूदा विश्व चैंपियन मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबला नहीं जीत सकी. भारतीय बैडमिंटन के लिहाज से अब सभी निगाहें पीवी सिंधु पर टिकी होंगी, जो महिला एकल में देश की सबसे बड़ी उम्मीद बनी हुई हैं.

सेरेना की वापसी से टेनिस जगत उत्साहित

44 वर्षीय स्टार क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट से कोर्ट पर लौटेंगी

लंदन, 2 जून. महिला टेनिस की महानतम खिलाड़ियों में शुमार सेरेना विलियम्स की वापसी की घोषणा ने पूरे टेनिस जगत में उत्साह भर दिया है.

23 बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन और चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता सेरेना करीब चार साल बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में लौटने जा रही हैं. डब्ल्यूटीए टूर ने पुष्टि की है कि 44 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने लंदन में आयोजित होने वाले क्वीन्स क्लब ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट के डबल्स मुकाबलों के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है. 2022 यूएस ओपन के बाद कोर्ट से दूर रहीं सेरेना की वापसी को टेनिस की दुनिया में बड़ी घटना माना जा रहा है. उनके लौटने की खबर के बाद कई वर्तमान और पूर्व खिलाड़ियों ने खुशी जताई है. दिग्गज खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा ने कहा कि सेरेना ने टेनिस को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है और उनका दोबारा कोर्ट पर उतरना खेल के लिए शानदार खबर है.

> पूर्व नंबर एक खिलाड़ी जॉन मैकनरो का मानना है कि सेरेना डबल्स में अब भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं. हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि सिंगल्स में वापसी कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होगी. दूसरी ओर, जापान की स्टार खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने कहा कि सेरेना की वापसी से दुनिया भर के प्रशंसक फिर से टेनिस की ओर आकर्षित होंगे. दो बेटियों की मां सेरेना उन चुनिंदा पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने मातृत्व के बाद पेशेवर टेनिस में वापसी की है. अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि टेनिस की यह महान खिलाड़ी वापसी के बाद कोर्ट पर कितना लंबा और सफल सफर तय करती हैं.

एक नजर में

पुरुष युगल के क्वार्टर-फ़ाइनल में पहुँचे श्रीराम

पेरिस. भारत के श्रीराम बालाजी और उनके ब्राज़ीलियाई जोड़ीदार मार्सेलो डेमोलिनर ने सोमवार को फ्रेंच ओपन के मेन्स डबल्स क्वार्टर-फ़ाइनल में धमाकेदार एंट्री की. उन्होंने जर्मनी के छठी वरीयता प्राप्त केविन क्राविएट्ज़ और टिम पुएट्ज़ की जोड़ी को हराया. इस साल रौलां गैरो में बिना किसी वरीयता के खेल रहे भारतीय टेनिस खिलाड़ी और मार्सेलो डेमोलिनर की जोड़ी ने, राउंड ऑफ़ 16 के मैच में जर्मनी के दो ग्रैंड स्लैम विजेताओं को हराने में 1 घंटा 25 मिनट का समय लिया. उन्होंने 7-5, 6-4 से यह उलटफेर भरी जीत हासिल की. जर्मनी की अनुभवी टेनिस जोड़ी पर मिली इस जीत के साथ ही, 36 साल के श्रीराम बालाजी ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर-फ़ाइनल में जगह बनाई. जर्मनी की यह जोड़ी पिछले महीने मोंटे-कार्लो मास्टर्स जीतकर पेरिस पहुँची थी. सेमी-फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए, भारत-ब्राज़ील की यह जोड़ी अब दूसरी वरीयता प्राप्त ग्रेट ब्रिटेन के हेनरी पैटन और फ़िनलैंड के हैरी हेलियोवारा की जोड़ी से भिड़ेगी. पहले सेट के दूसरे गेम में अपनी सर्विस गंवाने के बाद बालाजी और डेमोलिनर पर शुरुआत में ही दबाव आ गया था. हालाँकि, उन्होंने अगले ही गेम में विरोधी की सर्विस तोड़कर तुरंत वापसी की. जब सेट 5-5 की बराबरी पर था, तब बालाजी और डेमोलिनर ने 11वें गेम में निर्णायक बढ़त बनाई और फिर अपनी सर्विस बचाते हुए पहला सेट 7-5 से जीत लिया.

ओपनिंग में सूर्यवंशी के साथ विराट कोहली

नयी दिल्ली. आईपीएल 2026 में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से सबको प्रभावित करने वाले राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में चुना गया है. उनके साथ ओपनिंग में उनका जोड़ीदार विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की रन मशीन विराट कोहली को बनाया गया है. टीम में चुनने के लिए इससे आसान फ़ैसला शायद ही कोई और हो सकता था. एक ऐसी सीरीज़ जिसमें यक़ीन करना मुश्किल हो, वैभव सूर्यवंशी ने दूसरे नंबर के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज़ से 44 रन ज़्यादा बनाए, उनका स्ट्राइक रेट 23 पॉइंट बेहतर था और उन्होंने दूसरों के मुक़ाबले 29 छक्के ज़्यादा लगाए. रन और रफ़्तार की गिनती तो देख ली, अब ज़रा खेल की क्वालिटी भी देखिए : चैंपियन टीम के ख़िलाफ़ 202 रनों का पीछा करते हुए सिर्फ़ 26 गेंदों पर 78 रन ठोक दिए, सिर्फ़ 36 गेंदों में शतक जमाया, करो या मरो वाले एक बेहद ज़रूरी मैच में 221 रनों का पीछा करते हुए 38 गेंदों पर 93 रन बनाए, अपने पहले प्लेऑफ़ मैच में सिर्फ़ 29 गेंदों पर 97 रन की तूफ़ानी पारी खेली और फिर क्वालीफायर 2 में जहां एक तरफ़ लगातार विकेट गिर रहे थे, वहां उन्होंने 47 गेंदों पर 96 रनों की शानदार पारी खेली. उम्र चाहे जो भी हो और मंच चाहे जितना बड़ा, यह वाकई हैरान कर देने वाला प्रदर्शन है.

आज होगा महिला अंडर 18 का मैच

काकामिगाहारा. अंडर 18 एशिया कप में भारतीय महिला और सिंगापुर के बीच होने वाले मैच को तूफान के खतरे के मद्देनजर रीशेड्यूल किया गया. अब यह मुकाबला बुधवार को खेला जायेगा. ताजा घटनाक्रम के अनुसार अंडर18 एशिया कप में भारतीय महिला अंडर18 टीम का सिंगापुर के खिलाफ पूल ए का आखिरी मैच रीशेड्यूल कर दिया गया है. अब यह मैच तीन जून बुधवार को सुबह 5 :30 बजे खेला जाएगा. यह बदलाव 2 जून को काकामिगाहारा में आए तूफान के खतरे को देखते हुए किया गया है.

आयरलैंड की वेस्टइंडीज पर टी-20 जीत

टी-20 में वेस्टइंडीज पर पहली जीत में टीम शानदार प्रदर्शन

डबलिन, 02 जून ओर्ला प्रेंडरगैस्ट ने आयरलैंड की महिलाओं की टी-20 में वेस्टइंडीज पर पहली जीत में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया.

प्रेंडरगैस्ट ने रन चेज़ में नाबाद 71 रनों की पारी खेलने से पहले कुछ विकेट लिए, जिससे आयरलैंड ने त्रिकोणीय श्रृंखला के मुकाबले में डीएलएस के माध्यम से वेस्टइंडीज को एक रन से हरा दिया, जिससे अब उन्हें फाइनल में पहुंचने का एक बड़ा मौका मिल गया है. वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी में शुरुआत खराब रही और एवा कैनिंग ने पावरप्ले में दो बार प्रहार किया. पांच ओवर के अंदर शीर्ष क्रम के पवेलियन लौटने से वेस्टइंडीज को किसी भी तरह की गति के लिए संघर्ष करना पड़ा. हालात तब बद से बदतर हो गए जब स्टैफनी टेलर एक खिलाड़ी के रन आउट होने के कुछ ही गेंद बाद रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चली गईं, जिससे वेस्टइंडीज की टीम पिछड़ गई.

> यह बढ़त कुछ हद तक जेनिलिया ग्लासगो और शेमाइन कैंपबेल के बीच एक महत्वपूर्ण साझेदारी के कारण आई. इन दोनों ने पारी की शुरुआत में एक-एक चौका लगाया और वेस्टइंडीज को उबरने में मदद की. पाँच ओवर शेष रहते कैंपबेल को वापस पवेलियन भेज दिया गया और प्रेंडरगैस्ट ने डेथ ओवर में भी दो बार चौका लगाया. निचले क्रम के तीन बल्लेबाजों की एक-एक बाउंड्री ने वेस्टइंडीज को अंततः 140 रन के आंकड़े को पार करने में मदद की.

फ्लिंटॉफ सिडनी थंडर के हेड कोच बने

सिडनी, 02 जून. इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ को बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है.

मंगलवार को फ्लिंटॉफ की नियुक्ति ट्रेवर बेलिस के रिप्लेसमेंट के तौर पर पक्की हो गई. यह उनकी पहली विदेशी कोचिंग भूमिका होगी; इससे पहले वे 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स की कमान संभाल चुके हैं, जहाँ उन्होंने टीम को पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे से उठाकर दो बार टॉप-4 में पहुँचाया था. उन्होंने इंग्लैंड लायंस टीम को उनके हालिया दौरों पर कोचिंग भी दी और 2023/24 में मैट मॉट के नेतृत्व में इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीमों के लिए सलाहकार के तौर पर भी काम किया. 48 वर्षीय फ्लिंटॉफ ने सिडनी स्थित इस टीम के साथ दो साल के अनुबंध पर सहमति जताई है.

बताया जा रहा है कि इस भूमिका को पाने के लिए उन्होंने शेन वॉटसन और डैन क्रिश्चियन जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ा है. अपनी नियुक्ति के बाद फ्लिंटॉफ ने कहा, 'मैं वहाँ जाकर काम शुरू करने के लिए अब और इंतज़ार नहीं कर सकता. मैं इस मौके को बहुत ही सकारात्मक नजरिए से देख रहा हूँ.

सबालेंका फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में

पेरिस. शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने सोमवार को फ्रेंच ओपन के महिला सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए जापान की नाओमी ओसाका को हराया, जबकि तीन इतालवी खिलाड़ी पुरुष सिंगल्स के अंतिम आठ में पहुंच गए.

चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका, ओसाका पर 7-5, 6-3 से चौथे दौर की जीत के साथ अपने पहले रौलां गैरो खिताब के और करीब पहुंच गईं. दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी सबालेंका ही ड्रॉ में बची एकमात्र शीर्ष-छह वरीयता प्राप्त महिला खिलाड़ी हैं. सबालेंका ने कहा, 'मैं बहुत ज़्यादा नहीं सोच रही हूँ. कुछ भी हो सकता है. यही तो टेनिस है. यही तो खेल है.' उन्होंने आगे कहा, 'मैं बस एक बार फिर खुद पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रही हूँ और यह सुनिश्चित कर रही हूँ कि जब मैं कोर्ट पर मुकाबला कर रही हूँ, तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूँ. मैं इस ट्रॉफी को पाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही हूँ और पूरी शिद्दत से लड़ रही हूँ.' अगले दौर में सबालेंका का मुकाबला रूस की डायना श्नाइडर से होगा, जिन्होंने अमेरिकी खिलाड़ी मैडिसन कीज़ को 6-

विजय शंकर एलपीएल में डेब्यू के लिए तैयार

कोलंबो, 02 जून भारत के ऑलराउंडर विजय शंकर लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी बनने के लिए तैयार हैं, क्योंकि उन्हें कैंडी रॉयल्स ने साइन किया है. वहीं, श्रीलंका के इंटरनेशनल खिलाड़ी अविष्का फर्नांडो सीजन 6 के ड्राफ्ट में कुल मिलाकर नंबर 1 पिक के तौर पर उभरे, जब फ्रेंचाइजी ने इस टूर्नामेंट के बहुप्रतीक्षित छठे सीजन के लिए अपनी टीमें पूरी कर लीं.

17 जुलाई से 8 अगस्त तक होने वाली इस प्रतियोगिता से पहले हुए ड्राफ्ट में, सभी पांचों फ्रेंचाइजी ने जाने-माने इंटरनेशनल सितारों, उभरते हुए विदेशी टैलेंट और श्रीलंका के प्रमुख क्रिकेटरों के मिश्रण से अपनी टीमों को मजबूत किया. इससे लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्धी सीजन में से एक के लिए मंच तैयार हो गया है. एलपीएल 2026 ड्राफ्ट में पहली कुल मिलाकर पिक का अधिकार रखने वाली मौजूदा चैंपियन एससी जाफना किंग्स ने श्रीलंका के इंटरनेशनल खिलाड़ी अविष्का फर्नांडो को नंबर 1 पिक के तौर पर चुनकर प्रक्रिया की शुरुआत की.

रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन ▶ वैभव ने बताया, आईपीएल शुरू होने से पहले ही फोन नोट्स में 700 रन का लक्ष्य लिखा था

वैभव ने पूरा किया 700 रन का सपना

नई दिल्ली, 2 जून. आईपीएल 2026 के सबसे बड़े सितारों में शामिल राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने खुलासा किया है कि उन्होंने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही अपने लिए 700 रन बनाने का लक्ष्य तय कर लिया था.

महज 15 साल की उम्र में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन करने वाले वैभव ने बताया कि यह लक्ष्य उन्होंने अपने मोबाइल फोन के नोट्स में लिख रखा था और हर मैच के बाद अपनी प्रगति को अपडेट करते थे. सीजन समाप्त होने तक उन्होंने न सिर्फ अपना लक्ष्य हासिल किया, बल्कि 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप भी अपने नाम कर ली.

आईपीएल द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में वैभव ने कहा कि उन्होंने शुरुआत से ही खुद को एक बड़ा लक्ष्य दिया था. उन्होंने बताया कि हर मुकाबले के बाद वह अपने बनाए रन और विपक्षी टीम का नाम नोट्स में लिखते थे. यह उनका निजी लक्ष्य था, जिसे हासिल कर वह बेहद खुश हैं. बिहार के इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि ऑरेंज कैप जीतना कभी उनका सपना हुआ करता था. टीवी पर आईपीएल देखते समय वह सोचते थे कि काश एक दिन वह भी इस प्रतिष्ठित कैप को छू सकें. लेकिन इस सीजन में उन्होंने न केवल ऑरेंज कैप जीती, बल्कि 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर', 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन', 'सुपर स्ट्राइकर' और 'सुपर सिक्स' जैसे कई बड़े पुरस्कार भी अपने नाम किए.

पूरे टूर्नामेंट में 237.31 के शानदार स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए वैभव ने रिकॉर्ड 72 छक्के लगाए. उनके विस्फोटक प्रदर्शन ने राजस्थान रॉयल्स को कई मुकाबलों में जीत दिलाई और उन्हें आईपीएल इतिहास के सबसे चर्चित युवा खिलाड़ियों में शामिल कर दिया. हालांकि व्यक्तिगत उपलब्धियों से खुश वैभव का कहना है कि उनका अगला लक्ष्य राजस्थान रॉयल्स को खिताब दिलाना है.

> उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले सीजन में उनकी टीम फाइनल तक पहुंचेगी और ट्रॉफी जीतने में सफल रहेगी. साथ ही उन्होंने बीसीसीआई और आईपीएल का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह मंच युवा और घरेलू खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन अवसर देता है. भारतीय क्रिकेट में भविष्य के बड़े सितारे के रूप में देखे जा रहे वैभव सूर्यवंशी ने साफ कहा कि वह लंबे समय तक आईपीएल और भारतीय टीम के लिए खेलना चाहते हैं तथा अपने प्रदर्शन से देश और परिवार का नाम रोशन करना चाहते हैं.